नहीं कुछ इससे बढ़कर

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 51]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (१) | Page 51

संजाल पूर्ण करो :

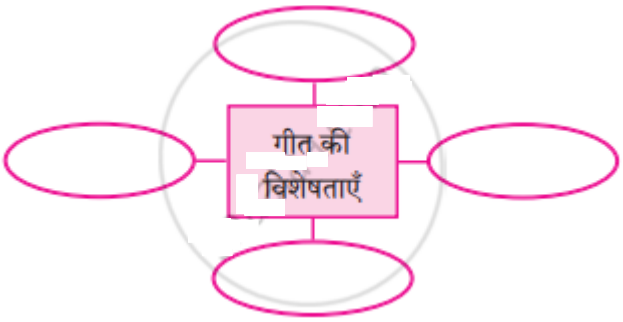

SOLUTION

गीत की विशेषताएँ :

१. माता का महत्त्व दर्शाया गया है।

२. कृषक का महत्त्व दर्शाया गया है।

३. कलाकार-कवि का महत्त्व दर्शाया गया है।

४. बलिदानी व्यक्ति का महत्त्व दर्शाया गया है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) | Page 51

कृति करो :

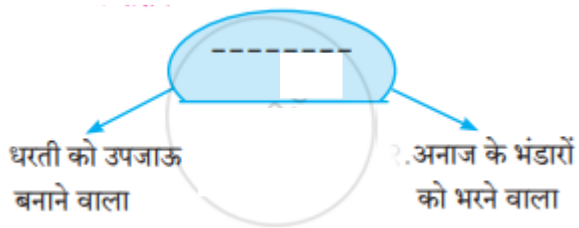

SOLUTION

धरती को उपजाऊ बनाने वाला/अनाज के भंडारों को भरने वाला : **कृषक**

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 51

अंतिम चार पंक्तियों का अर्थ लिखो।

चख-चख जीवन मधुरस प्रतिक्षण
विपुल मनोवैभव कर संचित,
जन मधुकर अनुभूति द्रवित जब
करते भव मधु छत्र विनिर्मित
नहीं प्रार्थना इससे शुचितर !

SOLUTION

कवि ने इन पंक्तियों के माध्यम से लोक अर्थात सज्जन व्यक्ति के महत्त्व को स्थापित किया है। सज्जन व्यक्ति अपने इस जीवनरूपी मधुरस को चखते हैं अर्थात जीवन के सुख-दुख का अनुभव प्राप्त करते हैं। वे जीवन के उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए विपुल मनोवैभव संचित करते हैं अर्थात मानसिक रूप से समृद्ध बन जाते हैं। जन मधुकर अर्थात मानवरूपी सज्जन भौंरे जब किसी को दुख व पीड़ा में देखते हैं, तो उनका मन द्रवित हो जाता है। संसार के दुख-दर्द को दूर करने के लिए वे अपने अनुभव से संसाररूपी छत्ते का पुन: निर्माण करते हैं अर्थात वे अपने अनुभव व ज्ञान से जरूरतमंदों की यथायोग्य सहायता कर उनके जीवन में खुशियाँ भर देते हैं। कवि कहता है कि सज्जन व्यक्तियों के इन कर्मों से अधिक पवित्र कोई अन्य प्रार्थना नहीं हो सकती है।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 51

कविता में उल्लिखित मानव के विभिन्न रूप लिखो:

१. _____

२. _____

३. _____

4. _____

SOLUTION

१. माता

२. कृषक

३. कलाकार - कवि

४. बलिदानी पुरुष

भाषा बिंदु [PAGE 51]

भाषा बिंदु | Q (१) | Page 51

निम्न शब्दों के लिंग तथा वचन बदलकर वाक्यों में प्रयोग करो :

लिंग - कवि, माता, भाई, लेखक

वचन - दुकान, प्रार्थना, अनुभूति, कपड़ा, नेता

SOLUTION

लिंग बदलकर वाक्य में प्रयोग:

कवि - कवयित्री

वाक्य: महादेवी वर्मा हिंदी की एक प्रसिद्ध कवयित्री हैं।

माता - पिता

वाक्य: बच्चा पिता की गोद में सो रहा था।

भाई - बहन

वाक्य: बहन की रक्षा करना भाई का कर्तव्य होता है।

लेखक - लेखिका

वाक्य: मैं एक प्रसिद्ध लेखिका बनना चाहती हूँ।

वचन बदलकर वाक्य में प्रयोग:

दुकान - दुकानें

वाक्य: सारी दुकानें बंद हो गई थीं।

प्रार्थना - प्रार्थनाएँ

वाक्य: कृष्ण ने अर्जुन की सारी प्रार्थनाएँ ठुकरा दीं।

अनुभूति - अनुभूतियाँ

वाक्य: उत्तराखंड की सैर पर मुझे कई प्रकार की अनुभूतियाँ हुइर्।

कपड़ा - कपड़े

वाक्य: मेरे सारे कपड़े गंदे हो गए हैं।

नेता - नेता

वाक्य: सभी नेता जा चुके थे।

उपयोजित लेखन [PAGE 51]

उपयोजित लेखन | Q (१) | Page 51

'सड़क दुर्घटनाएँ : कारण एवं उपाय' निबंध लिखो।

SOLUTION

आम हो या खास सभी के लिए सड़क सुरक्षा एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है, जो पिछले कुछ समय से देश के लिए चिंता का सबब बन चुका है। यदि हम सड़क दुर्घटनाओं के आँकड़ों पर नजर डालें, तो पता चलता है कि यह आँकड़ा बहुत तेजी से ऊपर आया है। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के चलते सड़क पर चलने वाला लगभग हर व्यक्ति अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है।

सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों में चालक की लापरवाही, यातायात नियमों का उल्लंघन या उसकी ठीक जानकारी न होना, चालक द्वारा नशा करना, पैदल चलने वालों की लापरवाही आदि का समावेश है। इसके अलावा यातायात विभाग भी इसमें समान रूप से जिम्मेदार है। यातायात विभाग के गैर जिम्मेदाराना रवैए के चलते नौसिखिए चालक, जिन्हें यातायात नियमों की सही जानकारी नहीं है, उन्हें भी लाइसेंस प्राप्त हो जाता है। इसके नतीजे हादसों के रूप में सामने आते हैं। सड़कों की दुर्दशा भी सड़क हादसों का एक मुख्य कारण है। कभी-कभी टूटी-फूटी सड़क पर पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। ऐसे में सड़क हादसे होने स्वाभाविक हैं।

सड़क हादसों से निपटना आज हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती और आवश्यकता बन चुका है। इसके लिए यातायात विभाग को नियम व कानून में सख्ती लाने के साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनका पालन हो। सड़कों की मरम्मत कर उन्हें सही करना होगा। इसके अलावा लोगों को सुरक्षित सड़क यातायात के संदर्भ में जागरूक व शिक्षित करने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इस तरह आवश्यक उपायों को अपनाकर सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

उपयोजित लेखन | Q (२) | Page 51

मैंने समझा

_____

_____

_____

SOLUTION

माता, कृषक, कलाकार, कवि, बलिदानी पुरुष व लोक अपने-अपने कर्मों को महत्त्व देते हैं। वे समाज के हित के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। कर्म ही पूजा है, इसलिए इनका कर्म किसी प्रकार के अन्य पूजा-पाठ से अधिक बढ़कर है।